आज का सुविचार
किसी के चेहरे की मुस्कुराहट की वजह ही बनो...

साप्ताहिक
युवा प्रदेश
Freedom Of Speech

RNI. NO. MPHIN/2015/76299

संपादक-नागेश नरवरिया

YP24 NEWS
जिले एवं तहसीलों में संवाददाता नियुक्त करना है..
संपर्क करे -9425156055

वर्ष 9, अंक- 92 | www.yuvapradesh.in | भोपाल, शुक्रवार 7 नवंबर 2025 | ypnews24@gmail.com | पृष्ठ -8 | मूल्य 2 रुपये

THE CONSTITUTION OF INDIA:
निः शुल्क आवास सुविधा- सरकार का उपकार या नागरिकों का अधिकार, पढ़िए -

हम भारत के लोग एक कल्याणकारी राज्य के नागरिक हैं, जिसका कर्तव्य जन साधारण के सुख एवं समृद्धि की अभिवृद्धि करना है। इसी उद्देश्य से नीति-निदेशक सिद्धांतों में कुछ आर्थिक और सामाजिक लक्ष्यों को निहित किया गया है जिनका पालन करना राज्यों का परम कर्तव्य है। राज्य का यह कर्तव्य है कि वह जनता के हित और आर्थिक लोकतंत्र की स्थापना के लिए यथाशक्ति कार्यान्वित करने का प्रयास करे। भारतीय संविधान का अनुच्छेद 39 सभी नागरिकों को जीविका के पर्याप्त साधन प्राप्त करने का अधिकार देता है। ये तो राज्य के नीति निदेशक तत्व है यह भारतीय नागरिकों के मौलिक अधिकार नहीं है हम बात कर रहे हैं क्या राज्य सरकार से आश्रय लेने का अधिकार मौलिक अधिकार हो सकता है जानते हैं इसका जवाब।

युवा प्रदेश समाचार पत्र
- लेखक बीआर अहिरवार(एडवोकेट एवं विधिक सलाहकार होशंगाबाद) 9827737665

महत्वपूर्ण जजमेंट- चमेली सिंह बनाम उत्तर प्रदेश राज्य

उक्त मामले में न्यायालय द्वारा यह अभिनिर्धारित किया कि आश्रय पाने का अधिकार भारतीय संविधान के अनुच्छेद 21 के अंतर्गत एक मूल अधिकार हैं एवं राज्य का यह कर्तव्य है कि वह अनुसूचित जाति एवं जनजाति के लोगों के लिए आवास सुविधा प्रदान करे।

सुप्रीम कोर्ट के अनुसार आश्रय की परिभाषा

न्यायमूर्तियों ने यह कहा कि किसी मनुष्य को आश्रय देने का तात्पर्य यह नहीं है कि केवल उसके प्राण एवं अंगों की रक्षा की जाए। आश्रय ऐसा हर है जहाँ उसे शारिरिक, मानसिक, बौद्धिक और आध्यात्मिक विकास का अवसर मिलता हो, आश्रय देने का अधिकार सिर्फ केवल सर के ऊपर छत देने से नहीं है बल्कि ऐसे घर से है जिसमे वे सभी सुविधाएं उपलब्ध हो जो मनुष्य को विकसित के करने के लिए सहायक हो। राज्य का कर्तव्य यह है कि वह अपने आर्थिक स्त्रोतों को देखते हुए सभी नागरिकों को ऐसे आश्रय प्रदान करने का प्रयास करें एवं निर्धन अनुसूचित जाति एवं जनजाति के लोगों को देश की मुख्य धारा में लाने के लिए राज्य का यह संवैधानिक कर्तव्य है कि उन्हें आवास सुविधाए प्रदान करे।

राज्यपाल श्री पटेल से अनुसूचित जाति, जनजाति कल्याण संबंधी संसदीय समिति ने की सौजन्य भेंट

राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल के साथ विभिन्न विषयों पर किया विचार-विमर्श

भोपाल। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल से अनुसूचित जाति और जनजाति के कल्याण संबंधी संसदीय समिति के सदस्यों ने बुधवार को राजभवन के बैंक्वेट हॉल में सौजन्य भेंट की। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने समिति के सदस्यों के राजभवन आगमन पर उनका स्वागत किया। पारस्परिक परिचयात्मक चर्चा की। संसद के दोनों सदनों में अनुसूचित जातिऔर जनजाति के प्रतिनिधित्व के संबंध में जानकारी ली। समिति के मध्यप्रदेश प्रवास और कार्यों के संबंध में विचार-विमर्श किया। राज्यपाल श्री पटेल को अनुसूचित जाति और जनजाति के कल्याण संबंधी संसदीय समिति के अध्यक्ष श्री फग्गन सिंह कुलस्ते ने बताया कि समिति अनुसूचित जाति जनजातियों के प्रतिनिधित्व की स्थिति के अध्ययन के लिए 03 नवंबर से 07 नवंबर तक मध्यप्रदेश और गोवा राज्य के भ्रमण पर है। समिति मध्यप्रदेश में पचमढ़ी प्रवास उपरांत भोपाल आई है। प्रवास के दौरान समिति द्वारा शासन के विभिन्न मंत्रालयों, विभागों, सार्वजनिक प्रतिष्ठानों, संगठनों और स्वशासी संस्थाओं का अध्ययन किया जा रहा है। इस अवसर पर समिति के सदस्य श्रीमती प्रतिमा मंडल, श्री जगन्नाथ सरकार, श्री हरीशचन्द्र मीणा, श्री गोविंद एम. करजोल, श्री डी. प्रसादराव, श्रीमती सुमित्रा बाल्मीक, श्री मिथलेश कुमार, श्री आर. नारज़ारी, श्रीमती फूलोदेवी नेताम, श्री देवेन्द्रप्रताप सिंह, प्रतिनिधि मण्डल के सचिव श्री डी.आर. शेखर और उपसचिव श्री मोहन अरूमला उपस्थित थे।

पुलिस कर्मियों के लिए कल्याण की नई मिसाल

भोपाल। मध्यप्रदेश पुलिस मुख्यालय की कल्याण शाखा द्वारा पुलिस कर्मियों और उनके परिवारों के आर्थिक कल्याण के उद्देश्य से लागू की गई पुलिस वेतन पैकेज योजना का लाभ अब प्रदेश के अनेक परिवारों तक पहुंच रहा है। इसी क्रम में धार जिले की स्व. रूपचंद पाटिल की नामिनी श्रीमती सजन बाई को 1 करोड़ रुपये की आकस्मिक मृत्यु लाभ राशि प्रदान की गई है। धार में आयोजित कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक श्री मयंक अवस्थी ने श्रीमती सजन बाई को यह राशि प्रदान की। उन्होंने कहा कि यह योजना प्रत्येक पुलिसकर्मी के परिवार के लिए कठिन समय में संबल और सुरक्षा का आधार है।

गुरु नानक जी का उपदेश मानवता की सेवा का है सर्वोच्च मार्ग : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गुरु नानक जयंती पर गुरुद्वारा में टेका मत्था, सबके कल्याण की कामना की

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बुधवार को गुर नानक जयंती के अवसर पर अरेरा कॉलोनी स्थित प्रसिद्ध गुरुद्वारा पहुंचकर मत्था टेका। शबद कीर्तन (गुरुवाणी) का श्रवण किया और सभी देशवासियों को गुरुपरब की शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने वाहेगुरु जी से प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि एवं सबके कल्याण की मंगलकामना की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि गुरु नानक देव जी सामाजिक एकता, सद्भावना और सेवा भाव की मिसाल थे। उन्होंने मानवता की सेवा और सबके प्रति समानता का भाव रखने का जो संदेश दिया है, वह आज भी सर्व समाज के लिए प्रकाशपुंज है। उन्होंने कहा कि गुरु नानक जी का जीवन सत्य, करुणा और परोपकार का प्रतीक है। उनका जीवन संदेश समय की सीमाओं से भी परे है और मानवता की सेवा के लिए हमेशा प्रेरणा-स्रोत रहेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने समाजजनों की मांग पर घोषणा करते हुए कहा कि म.प्र. सरकार गुरु तेग बहादुर जी का 350वां जयंती वर्ष और शहीदी दिवस समाज की मंशा अनुसार धूमधाम से मनायेगी। मध्यप्रदेश सरकार सत्य के मार्ग पर चलने वाले गुरु तेग बहादुर जी के सम्मान लिए हर जरूरी प्रयास करेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने श्री गुरू नानक देव जी के 556वें प्रकाश पर्व के अवसर पर सभी को बधाई दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि गुरू नानक देव जी साक्षात ईश्वर समान थे, उन्होंने संसार को मानवता, सेवा और कीर्तन की शिक्षा और सिख धर्म की स्थापना की।

क्या है निवारक-निरोध संरक्षण का मौलिक अधिकार जानिए- fundamental rights

भारतीय संविधान में दो प्रकार की गिरफ्तारी के विरुद्ध आरोपी व्यक्ति को संरक्षण प्राप्त है पहला सामान्य विधि के अंतर्गत गिरफ्तारी में संरक्षण अर्थात आईपीसी, मूल विधियां आदि। दूसरी निवारक निरोध अर्थात प्रतिबंधित कार्यवाही से संरक्षण। जब कोई गिरफ्तारी किसी सुरक्षा व्यवस्था, राष्ट्रीय सुरक्षा, सामाजिक सुरक्षा या लोकशान्ति भंग या परिशांति भंग प्रतीत होती है तब गिरफ्तार व्यक्ति को निरूद्ध रखा जाता है लेकिन निरूद्ध (बंदी) व्यक्ति के कुछ मौलिक अधिकार होते हैं जानिए।

भारतीय संविधान अधिनियम,1950 के अनुच्छेद 22(4) की परिभाषा: किसी भी व्यक्ति की सामान्य गिरफ्तारी या किसी लोकशान्ति की बनाये रखने के लिए निवारक निरोध व्यक्ति के लिए तब तक ही कैद में रखा जा सकता है जब तक ऐसे व्यक्ति को बंदी रखने का कोई ठोस आधार होगा अन्यथा ऐसे निरूद्ध व्यक्ति को 180 दिनों के बाद जमानत पर छूटने का पूर्ण अधिकार होगा एवं यह उसका संवैधानिक अधिकार हैं। साधारण शब्दों में कहें तो किसी भी आदतन अपराधी पर प्रतिबंधित कार्यवाही भी ठोस आधार पर की जायेगे अन्यथा ऐसे व्यक्ति को संवैधानिक अधिकार प्राप्त है छूटने का।

■ **लेखक एडवोकेट बीआर अहिरवार**
नर्मदापुरम 9827737665

मिशन वात्सल्य योजना नहीं,बल्कि बच्चों के उज्जवल भविष्य की प्रतिबद्धता

रिपोर्टर देवेन्द्र कुमार जैन भोपाल मध्य प्रदेश

महिला एवं बाल विकास मंत्री निर्मला भूरिया ने 'मिशन वात्सल्य' योजना की समीक्षा करते हुए कहा कि मिशन वात्सल्य केवल एक योजना नहीं, बल्कि हर बच्चे के उज्ज्वल भविष्य की हमारी सामूहिक प्रतिबद्धता है। यह सुनिश्चित किया जाएगा कि राज्य का कोई भी बच्चा असुरक्षित या असहाय न रहे, और हर बच्चे को शिक्षा, संरक्षण और सम्मान का अधिकार मिले। बच्चों के दत्तक ग्रहण की प्रक्रिया को और आसान, पारदर्शी एवं समयबद्ध बनाया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि होम विजिट की प्रक्रिया एक माह के भीतर पूरी कर ली जाए ताकि बच्चे शीघ्र सुरक्षित परिवारों से जुड़ सकें। मंत्री ने बताया कि दत्तक ग्रहण की संपूर्ण प्रक्रिया अब 'ष्ट्रक्रपोर्टल' के माध्यम से की जा रही है और दत्तक ग्रहण विनियम, 2022 के प्रावधानों के तहत ही सभी कार्यवाहियां संपादित की जा रही हैं इससे प्रक्रिया में पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ी है। ऑफ्टर केयर योजना के तहत 18 वर्ष से अधिक आयु के बच्चों को प्रशिक्षण, मार्गदर्शन और आत्मनिर्भरता के अवसर प्रदान किए जाएं। उन्होंने कहा कि गंभीर अपराधों में लिप्त किशोरों के लिए 'प्लेस ऑफ सेफ्टी' की व्यवस्था हेतु भारत सरकार को प्रस्ताव भेजा जाएगा। उन्होंने बताया कि कंपोजिट भवन निर्माण का प्रस्ताव भी भेजा गया है, जिससे बाल देखरेख, ऑफ्टर केयर और दत्तक ग्रहण जैसी सेवाओं को एक ही परिसर में एकीकृत किया जा सके। उन्होंने कहा कि यदि यह मॉडल भवन तैयार होता है तो मध्यप्रदेश देश का पहला राज्य होगा जो इस प्रकार का आदर्श भवन (Ideal Building) बनाएगा। उन्होंने सुझाव दिया कि अनाथ बच्चों के लिए विशेष इंटरैक्शन प्रोग्राम और जॉब फेयर आयोजित किए जाएं, ताकि वे आत्मनिर्भर बन सकें। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि महाराष्ट्र सरकार की तरह मध्यप्रदेश में भी अनाथ बच्चों को सरकारी सेवाओं में 1त्न आरक्षण देने का प्रस्ताव विचाराधीन है। आयुक्त महिला बाल विकास निवेदिता ने कहा कि दत्तक ग्रहण की टाइमलाइन एक माह में निर्धारित की जाए तथा होम विजिट और लीगल प्रोसेस को समयबद्ध रूप से पूरा किया जाए।उन्होंने बताया कि स्पॉन्सरशिप योजना के तहत विधवा, तलाकशुदा एवं परित्यक्ता माताओं के बच्चों को प्राथमिकता दी जाएगी। इसके लिए फील्ड अधिकारियों को लक्ष्य आधारित मैपिंग करने के निर्देश दिए गए हैं। ऑफ्टर केयर योजना के बच्चों को अभी से कैरियर गाइडेंस और ट्रेनिंग दी जाए तथा बालिकाओं को शिक्षा और पुलिस भर्ती में 33त्न आरक्षण का लाभ लेने के लिए प्रेरित किया जाए। उन्होंने सभी सीडीपीओ, डीपीओ, सुपरवाइजर और एडी को नियमित मैदानी निरीक्षण करने और रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश भी दिए। बैठक में बताया गया कि वर्तमान में इंदौर जिले के 2 बालिका गृह तथा खंडवा, बुरहानपुर, नरसिंहपुर और नर्मदापुरम जिलों के 1-1 बालक गृह, साथ ही नर्मदापुरम जिले के 2 खुले आश्रय गृह इस प्रकार कुल 8 बाल देखरेख संस्थाओं को बंद करने के प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। इन संस्थाओं में फिलहाल कोई बालक या बालिका निवासरत नहीं है। संबंधित जिलों से संस्थाओं को बंद करने की कार्यवाही के लिए प्रस्ताव मंत्रालय को भेजे गए हैं। मंत्री भूरिया ने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाए कि बंद की जा रही संस्थाओं के अंतर्गत कोई भी बच्चा असुरक्षित स्थिति में न रहे तथा प्रत्येक बच्चे के पुनर्वास की प्रक्रिया नियमानुसार पूर्ण हो।बैठक में बाल संरक्षण, दत्तक ग्रहण, ऑफ्टर केयर, स्पॉन्सरशिप और संस्थागत देखरेख से संबंधित विभिन्न बिंदुओं की विस्तृत समीक्षा की गई।

मध्यप्रदेश में तीसरा विकल्प की सुगबुगाहट दामोदर सिंह यादव व चन्द्रशेखर की मुलाकात से मिले संकेत

मूलचन्द मेधोनिया पत्रकार भोपाल

भोपाल। विगत दिनों दिल्ली प्रवास पर दलित पिछड़ा समाज संगठन के प्रमुख मध्यप्रदेश के दबंग राजनेता दामोदर सिंह यादव आजाद समाज पार्टी के मुखिया और उत्तर प्रदेश की नगीना लोकसभा के सांसद चन्द्रशेखर आजाद की मुलाकात लम्बीं चलीं। जो कि मध्यप्रदेश में अनुसूचित जाति जनजातियों और पिछड़ा समाज में रात दिन अलख जगाने में जुटे यादव इन दिनों मध्यप्रदेश के दौरे कर रहे है। आये दिन अत्याचार के खिलाफ आवाज उठा रहे है। पीड़ित व्यक्ति व नागरिकों से मिलकर शासन तक बात उठाने का भरसक प्रयास कर रहे है। यादव द्वारा प्रेस बार्ता कर जनमानस के हितों की बात भी उठा रहे है वह अंधविश्वास, पाखंड और अराजकता फैलाने वाले लोगों से डठ के मुकाबला कर रहे है। बहुजन समाज के महापुरुषों और स्वतंत्रता संग्राम सेनानी जो भी सम्मान से अभी तक की सरकारों द्वारा अनदेखी की है ऐसे महान क्रांतिकारी व देश की आजादी में योगदान देने वालों को सम्मान दिलाने के लिए संकल्पित है। दिल्ली प्रवास और नागिना के सांसद से मुलाकात को लोगों में चर्चा का बिषय चल रहा है कि दामोदर सिंह यादव मध्यप्रदेश में कोई बड़ा परिवर्तन लाने की दिशा में प्रयासरत है। वह मध्यप्रदेश में पचास विधायक बनाने का दावा तो पहले ही कर चुके है। सभी बहुजनों को एकजुट करने में लगे है। उनका प्रयास इस दिशा में है कि मध्यप्रदेश में तीसरा विकल्प बनकर ही रहेगा। शायद यही राजनैतिक समीकरण नगीना लोकसभा के सांसद से मिलने की सुगबुगाहट दामोदर सिंह ने संकेतिक रुप से दे दी है। वह पिछली विधानसभा के चुनाव में आजाद समाज पार्टी से विधायक का भी चुनाव लड़ चुके है। तथा मध्यप्रदेश में तीसरा विकल्प दे सकते है यादव जो कि उनके हर कार्यक्रम में स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। उनके संगठन के समर्थक भी इसी दिशा में काम कर रहे है।

लम्पी वायरस से बचाव के लिए कराएं टीकाकरण रोकथाम के लिए पशुपालन विभाग ने जारी की एडवाइजरी

रिपोर्टर देवेन्द्र कुमार जैन भोपाल

लम्पी पशुओं में होने वाली एक वायरस जनित बीमारी है, जो कि संक्रामक होती है। यह बीमारी मुख्यत: गो-वंशीय पशुओं में वर्षा के दिनों में फैलती है। इस रोग की शुरूआत में हल्का बुखार दो से तीन दिन के लिये रहता है, उसके बाद पूरे शरीर की चमड़ी में गठानें निकल आती हैं। ये गठानें गोल उभरी हुई आकृति की होती हैं। इस बीमारी के लक्षण मुंह, गले, श्वास नली तक फैल जाते हैं, साथ ही पैरो में सूजन, दुग्ध उत्पादकता में कमी, गर्भपात, बांझपन और कभी -कभी मृत्यु भी हो जाती है। यह रोग मच्छर, काटने वाली मक्खी एवं किल्ली आदि से एक पशु से दूसरे पशुओं में फैलती है। अधिकतर संक्रमित पशु 2-3 सप्ताह में

ठीक हो जाते है, किन्तु दूध की उत्पादकता में कमी कुछ समय बनी रह सकती है। प्रदेश के झाबुआ, रतलाम, बैतूल, बड़वानी, सिवनी, सागर एवं भोपाल जिलों से पशुओं में लम्पी स्किन डिसीज़ की जानकारी मिली है। इस संबंध में पशुपालन विभाग द्वारा लम्पी वायरस से बचाव एवं रोगग्रस्त पशुओं के उपचार के संबंध में एडवाइजरी जारी की है। संचालक पशुपालन एवं डेयरी डॉ. पी. एस. पटेल ने बताया कि इस रोग से बचाव के लिए पशुओं को प्रतिबंधात्मक टीका अवश्य लगवाएं। पशुपालक अपने पशुओं में लम्पी स्किन डिसीज के लक्षण दिखाई देने पर निकटतम पशु औषधालय पशु चिकित्सालय से तत्काल संपर्क कर बीमार पशुओं का उपचार कराएं। स्वस्थ पशुओं को बीमार पशुओं से अलग रखें। स्वस्थ पशुओं का टीकाकरण कराएं। पशु रखने के स्थान की सफाई रखें एवं पशुओं के शरीर पर परजीवी जैसे किल्ली, मक्खी, मच्छर आदि को नियंत्रित करने के उपाय करें। डॉ. पटेल ने बताया कि पशुपालन विभाग द्वारा लम्पी वायरस की चुनौती से निपटने के लिए हर संभव उपाय किए जा रहे हैं। संक्रमण से बचाव के लिए टीकों की पर्याप्त व्यवस्था की गई है, मुफ्त टीकाकरण किया जा रहा है एवं पशु पालकों को रोग से बचाव के संबंध में आवश्यक परामर्श दिया जा रहा है। प्रदेश में पशुपालन एवं डेयरी विभाग द्वारा माह अप्रेल 2025 से कुल 41.5 लाख पशुओं को एल.एस.डी. रोग प्रतिबंधात्मक टीका लगवाया जा चुका है। मुफ्त टीकाकरण कार्य निरंतर जारी है। पशुपालन विभाग द्वारा लम्पी स्किन बीमारी की रोकथाम एवं निगरानी हेतु भोपाल में राज्य स्तरीय कंट्रोल रूम की स्थापना की गई है, जिसका दूरभाष नंबर ङ्क 0755-2767583 है। कोई भी पशुपालक इस पर संपर्क कर सहायता प्राप्त कर सकता है। संचालनालय स्तर से जिलों के समस्त अधिकारियों को रोग के प्रति सजग रहने एवं केन्द्र सरकार की गाइड लाइन का पालन करने के लिए निर्देशित किया गया है।

धीरेन्द्र शास्त्री की यात्रा रद्द करवाने को लेकर दामोदर सिंह यादव राजभवन जाकर देंगे ज्ञापन

मूलचन्द मेधोनिया पत्रकार भोपाल

भोपाल। दलित पिछड़ा समाज संगठन के तत्वावधान में दिनांक 3 नवम्बर 2025 को रोशनपुरा चौराहे पर पर एकत्रित होकर दलित पिछड़ा समाज के सैकड़ो नागरिकों के साथ संगठन के संस्थापक दामोदर सिंह यादव के नेतृत्व में बागेश्वर के बाबा धीरेन्द्र शास्त्री जो कि अपने बोलचाल में ठठरी बांधने की गाली देकर हर किसी का अपमान करते हैं। तथा देश का माहौल बिगाड़ते हुए आये दिन अपशब्दों का प्रयोग करते हैं। धीरेन्द्र शास्त्री द्वारा अनावश्यक रूप से यात्रा करके देश की गंगा जमुनी तहजीब को बिगाडने का प्रयास किया जा रहा है। जिनकी यात्रा जो कि असंवैधानिक रूप से की जा रही है। उसे शीघ्र रोक लगाने हेतु 3 नवम्बर को दलित पिछड़ा समाज संगठन के बेनर तले दामोदर सिंह यादव अपने सैकड़ों समर्थकों के साथ राजपाल महोदय को ज्ञापन देंगे और धीरेन्द्र शास्त्री की यात्रा पर रोक लगाने हेतु ज्ञापन सौंपा जायेगा। संगठन के प्रमुखों द्वारा अपील की है कि अधिक से अधिक संख्या में सभी लोग शामिल हो।

मध्यप्रदेश के 70वें स्थापना दिवस के अवसर तीन दिवसीय कार्यक्रम पर विविध शैक्षणिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

पत्रकार बीआर अहिरवार नर्मदापुरम। शासकीय विधि महाविद्यालय, नर्मदापुरम में महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. कल्पना भारद्वाज के मार्गदर्शन में स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ, राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई तथा आईक्यूएसी के संयुक्त तत्वावधान में मध्यप्रदेश के 70वें स्थापना दिवस के अवसर तीन दिवसीय कार्यक्रम पर विविध शैक्षणिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत मध्यप्रदेश सामान्य ज्ञान प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता एवं भारत के कानूनी विकास में मध्यप्रदेश की भूमिका विषय पर निबंध प्रतियोगिता आयोजित की गई। निबंध प्रतियोगिता में प्रथम स्थान शिवानी शर्मा तथा द्वितीय स्थान आनन्द सिंह ने प्राप्त किया। मध्यप्रदेश सामान्य ज्ञान प्रश्नोत्तरी में शिवानी शर्मा एलएल. बी तृतीय वर्ष ने प्रथम तथा रेणुका एलएल.बी द्वितीय वर्ष ने द्वितीय तथा आनंद सिंह एलएल.बी द्वितीय वर्ष ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम का शुभारंभ मध्यप्रदेश गान के सामूहिक वाचन से हुआ, जिससे पूरे परिसर में देशभक्ति एवं गौरव का वातावरण निर्मित हुआ। प्रतियोगिता के आयोजन में राजदीप भदोरिया, डॉ. महेंद्र कुमार पटेल, एवं डॉ. ओम् शर्मा का विशेष सहयोग एवं मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में राज्य के इतिहास, संस्कृति तथा विधिक योगदान के प्रति जागरूकता बढ़ाना था।

मध्यप्रदेश में अनुसूचित जाति, जनजातियों व पिछड़ा वर्ग पर हो रहें अत्याचारों के खिलाफ आवाज उठाने आ रहें है:अभिषेक कुमार जाटव

मूलचन्द मेधोनिया पत्रकार भोपाल

भोपाल। मध्यप्रदेश के हर जिले और गांव गांव में अनुसूचित जाति, जनजातियों, पिछड़ा वर्ग, अल्पसंख्यक और किसान, मजदूरों पर हो रहे अन्याय, अत्याचार के खिलाफ पीड़ित परिवारों से मिलने राष्ट्रीय बहुजन शायर राष्ट्रीय अध्यक्ष समता मूलक संघ दिल्ली आ रहें है। बहुजन शायर मध्यप्रदेश के विभिन्न जिलों में जिन लोगों पर जातिवाद, भेदभाव व छुआछूत के आधार पर आज के भी युग ऐसे अत्याचार की घटना हो रही जो कि निश्चित रूप से पुराने वर्षों की याद दिलाई जा रही कि उस समय दलित पिछड़ा समाज के साथ कैसा दुर्व्यवहार किया जाता होगा। जबकि आज देश संविधान और कानून से चलता है। उसे ताक पर रख के अत्याचार हो रहें जो कि बहुत ही अफसोस कि बात है। अभिषेक कुमार जाटव मध्यप्रदेश के छैनदिवसीय मध्यप्रदेश के दौरे पर रहेगें। मध्यप्रदेश के नागरिकों ने मध्यप्रदेश सरकार से मांग की कि अभिषेक कुमार जाटव के जहां भी कार्यक्रम है वहां पर पूरी तरह से सुरक्षा के इंतजाम किये जायें। तथा किसी भी उपद्रव करने वालों को उन तक न आने दिया जाये। ताकि वह पीड़ित व्यक्तिओं की बात ठीक से सुनें और सरकार तक पहूंचा कर न्याय दिया सकें।

शहडोल पुलिस ने किया ऐसा काम हर कोई कर रहा तारीफ, 40 लाख के मोबाइल से जुड़ा मामला

संभागीय संवाददाता -राजू राय

शहडोल। शहडोल पुलिस ने गुम हुए 260 मोबाइल को तलाश किया और उनके सही मालिकों तक पहुंचाने का कार्य किया है। इस कार्य के लिए शहडोल पुलिस की जगह-जगह प्रशंसा हो रही है। कुछ मोबाइल मालिकों ने कहा कि हमें तो उम्मीद भी नहीं थी कि हमारा मोबाइल शायद हमें दोबारा मिल सके। लेकिन सिम निकलवाने के लिए हमने अपने पास के थाने में मोबाइल गुम हो जाने की शिकायत दर्ज करवाई थी, और हम यह भूल गए थे कि पुलिस शायद हमारे गुम मोबाइल को खोज कर हमें वापस करेगी। लेकिन शहडोल पुलिस ने मोबाइल को तलाश किया और हमें दिया है। पुलिस ने बताया कि जिले के अलग-अलग थाना क्षेत्र में मोबाइल गुम होने के आवेदन मिले थे, जिस पर लगातार थाना स्टाफ के साथ साइबर की टीम गुम मोबाइलों की लोकेशन तलाश रही थी, 260 मोबाइलों को पुलिस ने बरामद किया और उनके सही मालिकों तक पहुंचाने का कार्य किया है।

फोन आया और कहा ले जाए अपना मोबाइल

नवाब खान पिता यूसुफ खान धनपुरी के रहने वाले हैं। नवाब ने बताया कि मैं घर से बाजार जा रहा था, तभी रास्ते में मेरा मोबाइल फोन गिर गया, तलाश करने पर मोबाइल का पता नहीं चला, कुछ देर तक मोबाइल चालू था, रिंग जा रही थी, लेकिन कोई फोन नहीं उठा रहा था। और कुछ समय बाद मोबाइल बंद हो गया। घटना बीते माह की है। नवाब बताते हैं कि उन्होंने यह सोचा कि अब मेरा मोबाइल मुझे मिलेगा नहीं, मगर उसमें जो सिम लगी हुई है वह सब जगह रजिस्टर्ड नंबर है। सिम निकलवाने के लिए मैने धनपुरी थाने में आवेदन दिया, आवेदन में मैने अपना एक दूसरा नंबर भी लिखा और मोबाइल भूल गया। अचानक अब मेरे पास एसपी ऑफिस से फोन आया और कहा गया कि आपका गुम मोबाइल मिल गया है। आप ले जाए। नवाब बताते हैं कि यह सुनकर वह हैरान रह गए कि मेरा मोबाइल अब मुझे दोबारा मिल जाएगा और वह पुलिस कंट्रोल रूम पहुंचे और वहां से अपना मोबाइल प्राप्त किया है।

40 लाख के मोबाइल खोज कर पुलिस ने लोगों को लौटाया

साइबर एवं थाना स्टाफ ने मिलकर 260 गुम मोबाइलों को तलाश कर उनके मालिकों तक पहुंचा है।इन मोबाइलों की कीमत लगभग 40 लाख रुपए से अधिक बताई गई है। इस सफलता में पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर उप निरीक्षक दिलीप सिंह, साइबर टीम के सत्य प्रकाश मिश्रा, केशव धाकड़,श्रीदेवी एवं अन्य पुलिस कर्मियों की भूमिका महत्वपूर्ण रही।

अनुसूचित जाति वर्ग के सेवानिवृत शिक्षक के खाते से 508000 शिक्षा विभाग के कर्मचारियों अधिकारियों ने निकाल लिए शिक्षक परेशान कार्यवाही की मांग

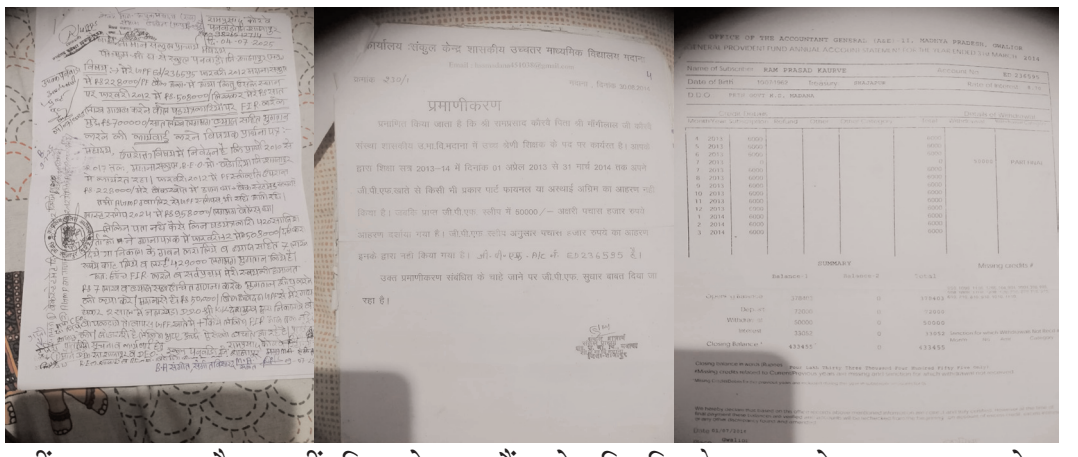

अनुसूचित जाति वर्ग का उच्च श्रेणी शिक्षक अब सेवानिवृत्ति रामप्रसाद कौर्वे की प्रथम नियुक्ति 5 जुलाई 1980 को शिक्षा विभाग में हुई तथा जुलाई 2024 को सेवानिवृत्ति भी हो चुके हैं ज्ञात रहे की राम प्रसाद कौर्वे शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल पनवाड़ी संकुल पनवाड़ी विकासखंड शाजापुर जिला शाजापुर मध्य प्रदेश मैं कार्यरत थे जो जुलाई 2024 में सेवानिवृत हो चुके हैं लेकिन जिला शाजापुर के शिक्षा विभाग के अधिकारी कर्मचारियों ने और उनके संकुल के प्राचार्य लेखा अधिकारी तथा जिला शिक्षा अधिकारी ने 580000 निकाल लिए जबकि अनुसूचित जाति के सेवानिवृत शिक्षक ने इतनी राशि कभी निकाली ही नहीं है जीएफ से उक्त राशि जीपीएस से निकलना बताया जा रहा है जबकि रामप्रसाद ने वर्ष 2012 में 2 लाख 28 हजार रुपए अपने जीएफ से निकाले हैं 5 लाख 80 हजार रुपए का कभी कोई फॉर्म नहीं भरा गया और न हीं निकाले गए हैं सेवानिवृत्ति के बाद गणना पत्रक में भी 580000 निकलना बताया गया है जबकि 5 लाख 80 हजार रुपए राम प्रसाद के बैंक अकाउंट में आए ही नहीं है और नहीं रामप्रसाद ने जीपीएफ फार्म नहीं भरा है तो इतनी बड़ी राशि निकल कैसे गई जीपीएफ की अंतिम पर्ची जिसमें जीपीएफ की संपूर्ण राशि दिखाई जाती है वर्ष 2024 में उनके जीपीएफ खाते में 958000 थे जबकि सेवानिवृत्ति के बाद जो भुगतान पत्र भेजा गया है उसमे मात्र चार लाख 29 हजार रुपए दर्शाया गया है यह टोटल राम प्रसाद के साथ शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने धोखाधड़ी की है जो राशि दिखाई जा रही है निकालना रामप्रसाद ने उसके लिए जीएफ का फॉर्म ही नहीं भरा और ना ही उनके बैंक अकाउंट में उक्त राशि आई है 508000 धोखाधड़ी करके निकले हैं रामप्रसाद ने उक्त राशि को देने की मांग शासन प्रशासन से की है साथी यह कहा है कि की अनुसूचित जाति वर्ग के सेवानिवृत शिक्षक के साथ बहुत बड़ा धोखा किया गया है जिसकी शिकायत रामप्रसाद ने शासन प्रशासन से की है तथा राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग को भी की है लेकिन भ्रष्टाचारियों के होंसले इतने बुलंद हैं कि उनकी शिकायत पर कोई कार्रवाई नहीं हो रही अनुसूचि जाती वर्ग के सेवानिवृत शिक्षक ने प्रदेश के मुख्यमंत्री मध्य प्रदेश के शिक्षा मंत्री स्कूल शिक्षा मंत्री आयुक्त लोक शिक्षण संचनालय मध्यप्रदेश से न्याय की मांग की है और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करने की भी मांग की है रामप्रसाद ने सीएम हेल्पलाइन में भी शिकायत दर्ज कराई है लेकिन उस पर भी कोई कार्रवाई नहीं की गई है एजीएमपी से जो अंतिम पर्ची में 958000 दिखाए जा रहे हैं उसी के अनुसार भुगतान किया जाए और संपूर्ण प्रकरण की जांच की जाए दोषियों के खिलाफ करोड़ से कठोर कार्रवाई की जाए।

ड्राइवरलेस कार भारत की सड़कों पर अब सिर्फ एक सपना नहीं,पूरी तरह भारत में बनी ड्राइवरलेस कार तैयार

रिपोर्टर देवेन्द्र कुमार जैन भोपाल मध्य प्रदेश

कुछ साल पहले तक भारत की सड़कों पर चलने वाली ड्राइवरलेस कार सिर्फ एक सपना लगती थी लेकिन बेंगलुरु में विप्रो, IISc (भारतीय विज्ञान संस्थान) और RV कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग ने मिलकर पूरी तरह भारत में बनी ड्राइवरलेस कार तैयार की है, जिसका अनावरण RV कॉलेज कैंपस में हुआ। एक वायरल वीडियो में यह कार बिना ड्राइवर के कैंपस में सहजता से चलते हुए दिखी और खास बात यह है कि इसमें इस्तेमाल हुई तकनीक पूरी तरह भारतीय है। यह उपलब्धि हासिल करने में 6 साल लगे, जहाँ RV कॉलेज के फैकल्टी और छात्रों ने प्रोफेसर के नेतृत्व में दिन-रात मेहनत की। 2019 में IISc और Wipro ने मिलकर ऐसा प्रोटोटाइप बनाया था जो भारत की सड़कों की असली चुनौतियों गड्ढों से लेकर मवेशियों तक को संभाल सके। आज वही सपना आगे बढ़कर बना है WIRIN (विप्रो –IISc रिसर्च एंड इनोवेंशन नेटवर्क) बनकर ऑटोनॉमस सिस्टम, रोबोटिक्स और 5त्न के क्षेत्र में भारत को नई ऊँचाइयों तक ले जा रहा है। यह सिर्फ एक कार नहीं, बल्कि भारत के आत्मनिर्भर भविष्य की रफ़्तार है।

टी.बी. उन्मूलन में हर व्यक्ति की हो सहभागिता,राज्यपाल ने किया 76वें टी.बी. सील अभियान का शुभारंभ

रिपोर्टर देवेन्द्र कुमार जैन भोपाल मध्य प्रदेश

राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा कि टी.बी. उन्मूलन के लिए सबसे कारगर उपाय जागरूकता है। हर व्यक्ति की जिम्मेदारी है कि टी.बी. जागरूकता कार्यक्रमों का हिस्सा बनें और टी.बी. उन्मूलन में सक्रिय सहभागिता करें। सबके प्रयास से टी.बी. मुक्त भारत अभियान सफल होगा। देश और प्रदेश टी.बी. मुक्त बनेगा। राज्यपाल सोमवार को मध्यप्रदेश टी.बी. एसोसिएशन के 76वें टी.बी. सील अभियान के शुभारंभ कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने टी.बी. मरीजों को पौष्टिक आहार का वितरण किया। साथ ही निक्षय मित्रों, चिकित्सकों, दानदाताओं और समाज सेवी संस्थाओं का सम्मान किया। राज्यपाल ने नागरिकों से कहा है कि अपनी योग्यता और क्षमता से टी.बी. रोगियों की मदद करें। मानवता की सेवा में ही जीवन की सार्थकता है। पीड़ित और जरूरतमंद की मदद पुण्य का महान कार्य है। इससे ईश्वर का आशीर्वाद प्राप्त होता है। उन्होंने टी.बी. उन्मूलन के एकजुट और एकमत विश्वास को व्यक्त करने आयोजन की थीम हाँ, हम टी.बी. को समाप्त कर सकते हैं की सराहना की। टी.बी. रोग उन्मूलन के सतत प्रयासों के लिए टी.बी. एसोसिएशन से संबद्ध समर्पित पदाधिकारियों, संबंधित विभागों और समाज सेवी संस्थाओं को बधाई दी। टी.बी. संक्रामक रोग है। इस रोग को समझना जरूरी है। सही समय पर सही और नियमित उपचार से रोग को खत्म किया जा सकता है। टी.बी. मरीज समय पर दवाई लें। दवाई का कोर्स पूरा भी करें। खान-पान का विशेष ध्यान रखें। भोजन में मोटे अनाज आदि पौष्टिक आहार को शामिल करें। भरपूर पानी पीयें नींद लें और नियमित व्यायाम करें। उन्होंने कहा कि रोगी अपने स्वास्थ्य के प्रति सचेत और संयमित रहें। अनुशासित जीवन शैली को अपनाएं।

केन्द्रीयकृत फेस आधारित उपस्थिति प्रणाली अनिवार्य,प्रदेश में एक नवम्बर से सभी नगरीय निकायों में प्रभावशील

रिपोर्टर देवेन्द्र कुमार जैन भोपाल मध्य प्रदेश

प्रदेश के सभी 413 नगरीय निकायों में केन्द्रीयकृत फेस आधारित उपस्थिति प्रणाली सफलतापूर्वक लागू की जा चुकी है। यह व्यवस्था एक नवम्बर से सभी नगरीय निकायों में अनिवार्य रूप से प्रभावशील हो जाएगी। यह प्रणाली निकायों में कार्यरत सभी शासकीय एवं अशासकीय कर्मचारियों पर समान रूप से लागू होगी। आयुक्त संकेत भोंडवे ने बताया कि यह पहल कर्मचारियों की उपस्थिति प्रक्रिया को अधिक सुगम, पारदर्शी और उत्तरदायी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। नगरीय निकायों में भविष्य में कर्मचारियों के वेतन एवं भुगतान इसी फेस आधारित उपस्थिति के आधार पर किए जाएंगे। वर्तमान में प्रदेश में एक लाख 35 हजार से अधिक नगरीय निकाय कर्मचारियों ने इस प्रणाली में अपना पंजीयन पूर्ण करा लिया है। नगरीय प्रशासन एवं आवास विभाग द्वारा यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि सभी नगरीय निकायों में यह व्यवस्था सुचारू रूप से कार्य करे और कर्मचारियों को आवश्यक तकनीकी सहायता समय पर उपलब्ध कराई जाए।

दूरदर्शन समाचार के वरिष्ठ संवाददाता डॉ. सोमेश कुमार पटेल को मिला छत्तीसगढ़ राज्य अलंकरण चंदूलाल चंद्राकर सम्मान, भारत के उपराष्ट्रपति श्री सी. पी. राधाकृष्णन ने डॉ. सोमेश कुमार पटेल को छत्तीसगढ़ स्थापना दिवस राज्य उत्सव में दिया सम्मान

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी में आयोजित राज्य अलंकरण सम्मान समारोह में इस वर्ष 2025 का प्रतिष्ठित छत्तीसगढ़ राज्य अलंकरण चंदूलाल चंद्राकर सम्मान भारत के उपराष्ट्रपति श्री सी. पी. राधाकृष्णन ने छत्तीसगढ़ स्थापना दिवस राज्य उत्सव में दूरदर्शन समाचार के वरिष्ठ संवाददाता डॉ. सोमेश कुमार पटेल को प्रदान किया। पत्रकारिता के क्षेत्र में डॉ. पटेल के दीर्घ अनुभव, निष्पक्ष रिपोर्टिंग, जनहित से जुड़े मुद्दों पर सजगता और समाज के प्रति समर्पण को

देखते हुए उन्हें इस सम्मान के लिए चयनित किया गया।कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ के राज्यपाल रमेन डेका , छत्तीसगढ़ विधान सभा अध्यक्ष डॉक्टर रमन सिंह, छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, केंद्रीय राज्य तोख़ान साहू ,डिप्टी सीएम विजय शर्मा, मंत्री ओपी चौधरी,मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल,मंत्री राम विचार नेताम,सांसद बृजमोहन अग्रवाल सहित राज्य के मंत्रीगण, वरिष्ठ अधिकारी और गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

डॉ. आरती सोनी को मिली पी.एच.डी. की उपाधि

जैसीनगर/सागर। शासकीय महाविद्यालय जैसीनगर में वनस्पति विज्ञान की अतिथि विद्वान, श्रीमती आरती सोनी, ने श्री कृष्णा विश्वविद्यालय, छतरपुर से पी.एच.डी. की उपाधि प्राप्त कर महाविद्यालय का गौरव बढ़ाया है। उनका शोध इवेलुएशन ऑफ़ एंटी-बक्टिरियल एक्टिविटी ऑफ़ सम मेडिसिनल प्लांट एंड देयर फोटोकेमिकल स्टडीज विषय पर आधारित था, जिसमें उन्होंने औषधीय पौधों की जीवाणुरोधी गतिविधियों का अध्ययन किया। उनकी इस नई उपलब्धि पर प्राचार्य एवं समस्त स्टाफ ने डॉ. सोनी को हार्दिक बधाई दी और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है। उनके इस शोध कार्य एवं ज्ञान का लाभ अब महाविद्यालय के विद्यार्थियों को मिलेगा। उनकी इस उपलब्धि पर उनके परिवार के सभी सदस्यों ने उनको शुभकामनाएं एवं बधाइयां दी।

ग्राम बाग पिपरिया में हुई ग्राम चौपाल

स्वास्थ्य राज्यमंत्री एवं कलेक्टर ने ग्रामीणों की समस्याओं का किया त्वरित निराकरण।

हल्केवीर सूर्यवंशी संभागीय संवाददाता

बरेली (रायसेन)। रायसेन जिले की बरेली तहसील के ग्राम बाग पिपरिया में 06 नवंबर को ग्राम चौपाल का आयोजन किया गया। इस अवसर पर लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा राज्यमंत्री श्री नरेंद्र शिवाजी पटेल तथा कलेक्टर श्री अरुण कुमार विश्वकर्मा उपस्थित रहे। दोनों अधिकारियों ने ग्रामीणों से सीधा संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं और कई मुद्दों का त्वरित समाधान भी किया। ग्राम चौपाल में स्वास्थ्य विभाग, महिला एवं बाल विकास, सामाजिक न्याय, डेयरी एवं पशुपालन, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, जनजातीय कार्य विभाग सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। विभागों द्वारा जानकारी हेतु स्टॉल भी लगाए गए, जहां ग्रामीणों को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई और पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ प्रदान किया गया। ग्राम चौपाल के दौरान ग्रामीणों में उत्साह देखा गया। लोगों ने राज्यमंत्री और कलेक्टर के समक्ष अपनी समस्याएं रखीं, जिनका मौके पर ही समाधान किया गया। इस अवसर पर अधिकारियों ने ग्रामीणों से शासन की योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाने की अपील की। यह चौपाल जनसुनवाई और जनसेवा का जीवंत उदाहरण बनी, जिससे ग्रामीणों में सरकार के प्रति विश्वास और सहभागिता की भावना और मजबूत हुई।

बरेली कन्या छात्रावास में छात्राओं ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सौंपा ज्ञापन।

हल्केवीर सूर्यवंशी संभागीय संवाददाता

बरेली (रायसेन)। शासकीय महाविद्यालय अनुसूचित जाति कन्या छात्रावास बरेली की छात्राओं ने गुरुवार को उप मंडल अधिकारी (एसडीएम) बरेली को ज्ञापन सौंपा। छात्राओं ने ज्ञापन में छात्रावास में सुरक्षा व्यवस्था की कमी, महिला वार्डन की अनुपस्थिति तथा आवश्यक सुविधाओं के अभाव को लेकर गंभीर चिंता व्यक्त की। छात्राओं ने बताया कि छात्रावास में लंबे समय से कई समस्याएं बनी हुई हैं, जिनका समाधान नहीं हो पा रहा है। इससे छात्राओं में असुरक्षा और असुविधा की भावना बढ़ रही है। ज्ञापन में निम्न प्रमुख समस्याओं का उल्लेख किया गया है —

छात्राओं द्वारा बताई गई मुख्य समस्याएं-

1. छात्रावास परिसर में सीसीटीवी कैमरे बंद पड़े हैं,

जिससे सुरक्षा व्यवस्था प्रभावित हो रही है।

2. सुरक्षा गार्ड की नियुक्ति नहीं की गई है, जिससे बाहरी लोगों का आना-जाना बढ़ गया है।
3. महिला वार्डन की नियमित उपस्थिति नहीं होती, जिससे अनुशासन और प्रबंधन संबंधी कठिनाइयाँ सामने आ रही हैं।
4. छात्रावास की दीवारें व गेट कमजोर हैं, जिन्हें आसानी से पार किया जा सकता है।
5. साफ-सफाई और पेयजल की उचित व्यवस्था नहीं है, जिससे स्वास्थ्य संबंधी दिक्कतें हो रही हैं।
6. छात्राओं की शिकायतों पर कोई त्वरित कार्यवाही नहीं होती, जिससे समस्याएं बढ़ती जा रही हैं।

छात्राओं ने मांग की है कि

- सभी सीसीटीवी कैमरों को तुरंत चालू किया जाए।
- सुरक्षा गार्ड की नियुक्ति शीघ्र की जाए।
- महिला वार्डन की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित की जाए।
- छात्रावास की दीवार और गेट को मजबूती प्रदान की जाए।

देवउठनी एकादशी पर श्री दलसा दादा मंदिर में मोर पंख मढई मेला का हुआ भव्य आयोजन।

हल्केवीर सूर्यवंशी संभागीय संवाददाता

देवरी। देवउठनी एकादशी के पावन अवसर पर गोरखपुर नगर परिषद देवरी के वार्ड क्रमांक 2 और 3 स्थित श्री दलसा दादा मंदिर परिसर में आदिवासी समाज की परंपरा अनुसार मोर पंख मढई मेला का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर मंदिर में छप्पन भोग लगाकर भगवान श्री दलसा दादा की महाआरती की गई और प्रसाद वितरण किया गया। मेला स्थल पर आदिवासी समाज द्वारा पारंपरिक नृत्य और ढोल-ताशे की धुनों के साथ धार्मिक झांकियों का आयोजन हुआ, जिसने लोगों का मन मोह लिया। आस-पास के गांवों और शहरों से बड़ी संख्या में धर्मप्रेमी बंधु मोर पंखिया से बनी ढालें लेकर पहुंचे और पौराणिक परंपराओं का निर्वहन किया। मंदिर प्रांगण में सजे मेले में मिठाइयों, सिगड़े और स्थानीय वस्तुओं की दुकानों पर भारी भीड़ देखी गई। महिलाएं, बच्चे और पुरुष सभी उत्साह और श्रद्धा के साथ शामिल हुए। भक्तों ने श्री दलसा दादा से क्षेत्र में अमन-चैन और सुख-शांति बनाए रखने की प्रार्थना की। हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी देवउठनी ग्यारस पर आयोजित यह मेला धर्म और संस्कृति का अद्भुत संगम साबित हुआ।

जिला स्तरीय युवा उत्सव में प्रतिभाओं का जलवा, एएसपी जगन्नाथ मरकाम ने कहा—

राज्य स्तर जाने वाली टीम को दूँगा व्यक्तिगत पुरस्कार

कैलाश कुमार - सह संपादक (युवा प्रदेश)

अनूपपुर। जिला खेल परिसर माइकल क्लब अनूपपुर में मध्यप्रदेश शासन के खेल एवं युवा कल्याण विभाग के तत्वावधान में जिला स्तरीय युवा उत्सव का आयोजन भव्यता के साथ संपन्न हुआ। यह कार्यक्रम अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एवं प्रभारी जिला खेल एवं युवा कल्याण अधिकारी जगन्नाथ मरकाम की मुख्य उपस्थिति में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन भारत सरकार के खेल विभाग और मध्य प्रदेश शासन तथा जिला प्रशासन अनूपपुर कलेक्टर हर्षल पंचोली, पुलिस अधीक्षक मोतीउर रहमान, सीईओ जिला पंचायत अर्चना कुमारी सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण के मार्गदर्शन में कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। मुख्य अतिथि एएसपी जगन्नाथ मरकाम ने अपने प्रेरणादायक उद्बोधन में कहा यह कार्यक्रम युवा प्रतिभाओं को मंच देने वाला है। यदि यहां से कोई टीम राज्य स्तर के लिए चयनित होती है तो मैं उन्हें व्यक्तिगत रूप से पुरस्कार प्रदान करूंगा। विशिष्ट अतिथि नगर निरीक्षक अरविंद जैन ने कार्यक्रम को रोमांचकारी एवं प्रेरक बताया। वहीं श्रमजीवी पत्रकार परिषद शहडोल संभाग एवं जिला वॉलीबॉल संघ के अध्यक्ष चैतन्य मिश्रा ने कहा कि ऐसे आयोजनों से लोक संस्कृति और पारंपरिक कला को संरक्षण और नई पीढ़ी को प्रेरणा मिलती है।कार्यक्रम में भाषण, विज्ञान मेला, चित्रकला, कविता लेखन, कहानी लेखन, सामूहिक लोकगीत और लोकनृत्य जैसी सात विधाओं की प्रतियोगिताएँ संपन्न हुईं। निर्णायकमंडल में डॉ. पुष्पेंद्र नामदेव, डॉ. दीपक उरमलिया, डॉ. दीपक गुप्ता, राष्ट्रीय कलाकार चंदन लालपुरी, प्रदीप गुप्ता, गिरधारी साहू सहित अनेक निर्णायक उपस्थित रहे।

प्रमुख विजेता इस प्रकार रहे

भाषण प्रतियोगिता- श्वेतांग साहू (प्रथम), आराध्या द्विवेदी (द्वितीय), आभया अग्रवाल (तृतीय)।

विज्ञान मेला- पवन झरिया (प्रथम), प्रतीक पांडे (द्वितीय), कशिश भगत (तृतीय)।

चित्रकला/पेंटिंग- वर्षा अहिरवार (प्रथम), आयुषी अग्रवाल (द्वितीय), लक्ष्मी राठौर (तृतीय)। **कविता लेखन**- कंचन सिंह (प्रथम), सफिया परवीन (द्वितीय), शालिनी सिंह मरावी (तृतीय)।**कहानी लेखन**- संगीता पाणिका (प्रथम), विकास सोनी (द्वितीय), खुशबू देवी (तृतीय)।**सामूहिक लोकगीत**- प्रिया माझी एवं साथी (सरस्वती शिशु उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, जैतहरी) - प्रथम। सामूहिक लोकनृत्य- बल भारती पब्लिक स्कूल जैतहरी - प्रथम, मॉडल स्कूल अनूपपुर - द्वितीय, पॉलिटेक्निक कॉलेज अनूपपुर - तृतीय रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन दिनेश कुमार सिंह चंदेल, ग्रामीण युवा समन्वयक, खेल एवं युवा कल्याण विभाग जैतहरी द्वारा किया गया। अंत में आभार प्रदर्शन भी उन्हीं के द्वारा किया गया।कार्यक्रम में निर्णायकों, प्रतिभागियों, एवं अतिथियों के योगदान से आयोजन प्रभावी और अनुकरणीय बना।

जिला रायसेन के एक छोटे से गांव के 19 वर्षीय छात्र लालचंद अहिरवार

(लक्ष्य भारतीय) बने अजाक्स युवाछात्र संघ भोपाल के कार्यवाहक जिला अध्यक्ष।

हल्केवीर सूर्यवंशी संभागीय संवाददाता

भोपाल। अनुसूचित जाति/जनजाति अधिकारी कर्मचारी संघ (अजाक्स) के SC/ST युवाछात्र संघ, जिला भोपाल में 19 वर्षीय छात्र लालचंद अहिरवार (लक्ष्य भारतीय) को कार्यवाहक जिला अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। युवाओं में सक्रिय और सामाजिक दृष्टिकोण रखने वाले छात्र को इतनी कम उम्र में यह जिम्मेदारी मिलना, संगठन के लिए प्रेरणादायक उदाहरण माना जा रहा है।इस अवसर पर उन्होंने अजाक्स परिवार, युवाछात्र संघ और कार्यकारिणी के सभी साथियों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह उनके लिए एक नया अनुभव और जागरूक समाज निर्माण की दिशा में सुनहरा अवसर है। साथ ही संकल्प लिया कि वे छात्रों की आवाज बुलंद करने, उन्हें संविधान से जोड़ने और महापुरुषों की विचारधारा को आगे बढ़ाने के लिए पूरी निष्ठा से कार्य करेंगे। उन्होंने कहा कि छात्रावासों, महाविद्यालयों और विद्यालयों में छात्रों को आ रही समस्याओं के समाधान के लिए वे हर संभव कदम उठाएंगे। और साथ ही छात्रों के संवैधानिक एवं मौलिक अधिकारों की रक्षा के लिए समर्पित रहेंगे और समाज को आर्थिक, राजनीतिक, सामाजिक तथा शैक्षणिक रूप से सशक्त बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत रहेंगे।

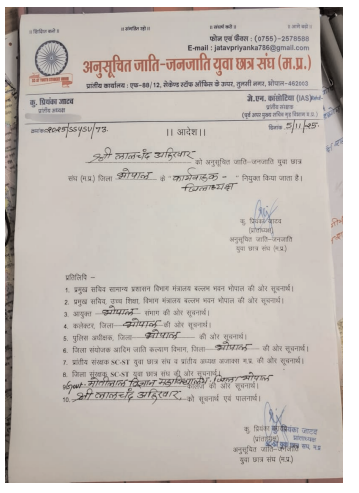

नशे की विरुद्ध कार्यवाही करते हुए पुलिस ने बड़ी मात्रा में की शराब जप्त

कुमार अनूप गुप्ता ब्यूरो चीफ अनूपपुर

अनूपपुर। जिले के थाना रामनगर पुलिस द्वारा नशे के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत अवैध शराब जप्ती की कार्यवाही की गई। पुलिस टीम द्वारा अवैध शराब परिवहन एवं विक्रय पर रोक लगाने हेतु की गई विशेष कार्यवाही के दौरान रात्रि गश्त में मुखबिर से प्राप्त सूचना पर स्टेडियम तिराहा, राजनगर के पास नाकाबंदी की गई। नाकाबंदी के दौरान एक सफेद रंग की बोलेरो वाहन (क्रमांक ष्टत्र 16 B 3956) तेज रफ्तार से आती दिखाई दी, जो पुलिस को देखकर भागने का प्रयास करते हुए सड़क किनारे पेड़ से टकराकर रुक गई। वाहन की तलाशी लेने पर उसमें रखे 16 खाखी रंग के कार्टन से विभिन्न ब्रांड की अंग्रेजी शराब बरामद की गई। वाहन चालक आरोपी शीतला प्रसाद गुप्ता पिता स्व. रामराज गुप्ता, उम्र 42 वर्ष निवासी वार्ड क्रमांक 14 झीमर तथा दीपक कुमार गुप्ता पिता शीतला प्रसाद गुप्ता, उम्र 19 वर्ष निवासी वार्ड क्रमांक 14 झीमर को गिरफ्तार किया गया है। दोनों आरोपियों के विरुद्ध धारा 34(2) आबकारी अधिनियम के तहत अपराध क्रमांक 301/25 पंजीबद्ध कर बोलेरो वाहन एवं शराब जप्त कर अग्रिम विवेचना की जा रही है। कुल 150.840 लीटर अवैध अंग्रेजी शराब, जिसकी अनुमानित कीमत लगभग 1 लाख 31 हजार आँकी गई। जब्त वाहन व शराब का कुल मूल्य 7 लाख 31 हजार बताई गई है।

अनूपपुर में मानवता जीवित 7 युवाओं ने सड़क दुर्घटना में दी नई ज़िंदगी, बने राहवीर

कैलाश कुमार - सह संपादक (युवा प्रदेश)

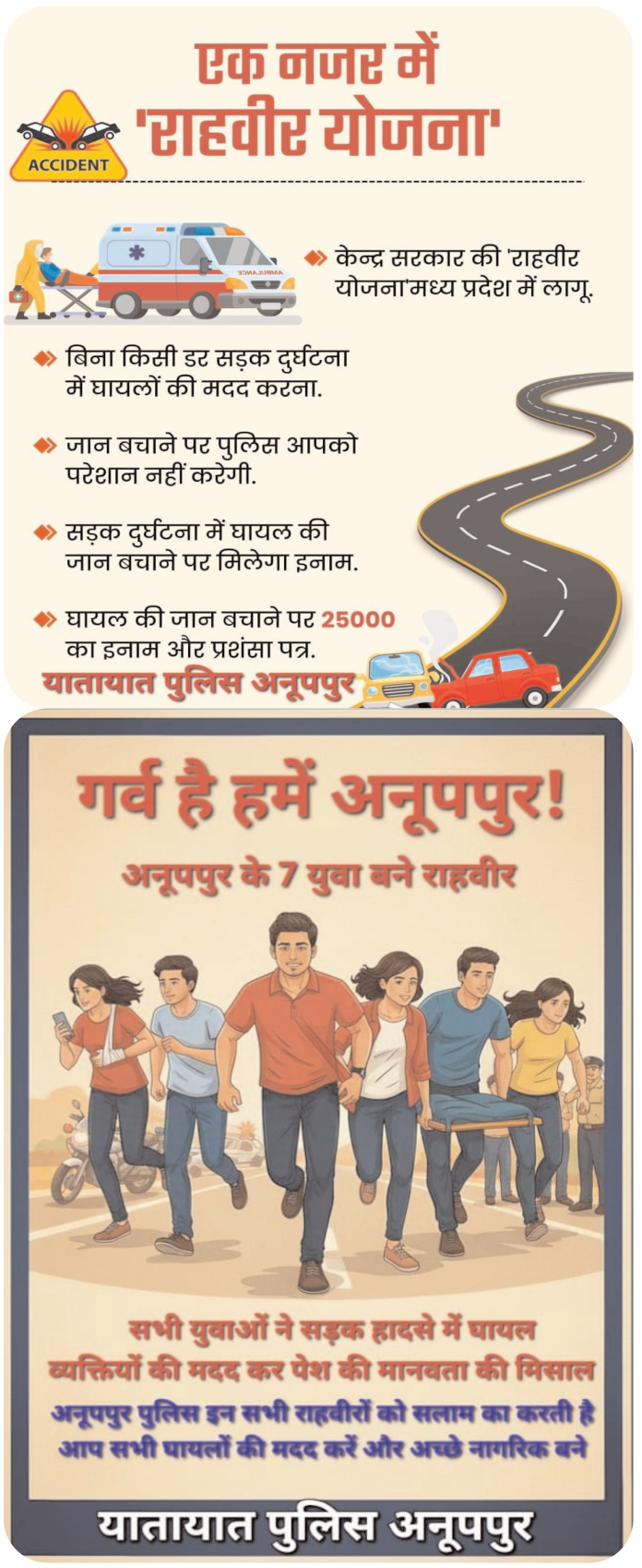

अनूपपुर जिले के सात युवाओं ने सड़क दुर्घटनाओं में घायलों की जान बचाकर मानवता की मिसाल पेश की है। ये सभी युवा राहवीर बनकर आगे आए और संकट की घड़ी में घायलों को अस्पताल पहुँचाकर उनका अमूल्य जीवन बचाया। पुलिस अधीक्षक अनूपपुर श्री मोती उर रहमान (ips) के निर्देश पर इन सभी राहवीरों के प्रकरण तैयार कर पुरस्कार हेतु भेजे गए हैं। पुलिस अधीक्षक का संदेश है कि जो बचाए जान, उन्हें मिले सम्मान ताकि अधिक से अधिक लोग भी इस मानवीय कार्य के लिए प्रेरित हों।

ये युवा बने राहवीर

1. महेंद्र, निवासी अनूपपुर
2. रमाधार रजक, निवासी पसला
3. प्रफुल्ल प्रजापति, निवासी सिलपुर कोतमा
4. अनिकेत कुमार, निवासी कोतमा
5. सुदर्शन प्रसाद लोनी, निवासी कोतमा
6. राहुल सोनी, निवासी बिजली ऑफिस के पास, कोतमा
7. गजेंद्र कुमार मिश्रा, निवासी फुलकोना, रामनगर

अनूपपुर पुलिस ने जिले वासियों से अपील की है कि सड़क दुर्घटनाओं में घायलों की सहायता करें, समय पर अस्पताल पहुँचाने में सहयोग दें और राहवीर अभियान से जुड़कर समाज में मानवता का संदेश फैलाएँ।

यातायात पुलिस अनूपपुर

गांव की ओर चलो अभियान के तहत कल राष्ट्रीय उपाध्यक्ष जी का दौरा कार्यक्रम

नेतराम अहिरवार, संवाददाता सिलवानी

सिलवानी। अहिरवार समाज संघ के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष आदरणीय श्रीमान हनुमत सिंह बौद्ध साहब 5 नवंबर 2025 को विभिन्न ग्रामों के दौरे पर रहेगे उनके साथ संघ के पदाधिकारी प्रांतीय संगठक श्री एम एल बघेल जी, जिला रायसेन व्यवसायिक प्रकोष्ट अध्यक्ष श्री के के अहिरवार जी, रायसेन डां सी एस गोलिया जिला सगठक ,श्री हरिसिंह अहिरवार जिला संरक्षक,श्री जिला उपाध्यक्ष श्री मोहन माण्डरे जी ,जिला संगठक श्री हेमराज चौधरी जी, जिला संयुक्त सचिव श्री रघुवीर अहिरवार जी, युवा प्रकोष्ट जिला अध्यक्ष श्री मनोज कुमार जी युवा प्रकोष्ट जिला उपाध्यक्ष श्री जगदीश अहिरवार जी,श्री विश्राम सिंह सांगा जी नगर अध्यक्ष बाडी, सिलवानी तहसील अध्यक्ष श्री शंकर लाल अहिरवार जी, श्री मोतीलाल जिझौतिया जी सिलवनी तहसील उपाध्याक्ष,सिलवानी तहसील सचिव श्री नारायण अहिरवार श्री एम एल अहिरवार जी शिक्षक विशेष समाजसेवी जी ,तहसील संरक्षक श्री रामगोपाल अहिरवार जी,सिलवानी मीडिया प्रभारी श्री प्रदीप माण्डरे जी, तहसील संगठक श्री प्रीतम परिहार जी, ग्राम अध्यक्ष श्री धन्नु अहिरवार जी महगुआश्री गोवर्धन अहिरवार जी श्री मुकेश अहिरवार जी आदि साथ में रहेंगे।

समय 4: 00 बजे ग्राम खरगोन पहुंचेंगे
समय 4:30 बजे ग्राम कुंडाली पहुंचेंगे
समय 4:50 पर ग्राम बमोरी पहुंचेंगे
समय 5:20 बजे रेस्ट हाउस सिलवानी पहुंचेंगे
समय 5:40 पर ग्राम चिचोली रविदास जी गुरुद्वारा पहुंचेंगे
समय 6:15 बजे ग्राम सर्रा श्री नेतराम जी अहिरवार जी के यहां सामाजिक बैठक में सम्मिलित होंगे।

निवेदक
प्रदीप माण्डरे सिलवानी तहसील मिडिया प्रभारी

शासकीय महाविद्यालय शमशाबाद में हुआ राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन।

हल्केवीर सूर्यवंशी संभागीय संवाददाता

शमशाबाद। मध्य प्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशों अनुसार शासकीय महाविद्यालय शमशाबाद, विदिशा (म. प्र.) में पुस्तकालय विभाग द्वारा राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन किया गया यह वेबीनार भारतीय ज्ञान प्रणाली के संवर्धन एवं विकसित भारत 2047 की परिकल्पना को साकार करने में पुस्तकालय की भूमिका एवं उसमें एआई आधारित सेवाओं की उपयोगिता विषय पर केंद्रित रहा। महाविद्यालय की इस वेबीनार में भोपाल - नर्मदा पुरम संभाग के अतिरिक्त संचालक डॉ. मथुरा प्रसाद, डॉ.बी. डी.अहिरवार (प्राचार्य) आर. वी. एस. शासकीय कन्या स्नातकोत्तर कॉलेज, विदिशा एवं श्री राजेंद्र जैन (अध्यक्ष) जन- भागीदारी समिति मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस वेबीनार में सम्माननीय वक्तागण विषय विशेषज्ञ के रूप में डॉ. संदीप कुमार पाठक (पुस्तकालयाध्यक्ष) भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान भोपाल, डॉ बबीता गौर (पुस्तकालयाध्यक्ष) ,गार्गी कॉलेज- दिल्ली विश्वविद्यालय एवं डॉ.अमित ताम्रकार, (पुस्तकालयाध्यक्ष) सांची यूनिवर्सिटी ऑफ़ बुद्धिस्ट-इंडिक स्टडीज रहे जिन्होंने इस वेबीनार में विषय विशेषज्ञ के रूप में अपने विचार प्रस्तुत कर के वेबीनार के सभी प्रतिभागियों व छात्र छात्राओं को लाभान्वित किया द्य विकसित भारत में मील का पत्थर बनेगी नई शिक्षा नीति शिक्षा.. वक्ताओं ने कहा राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के तहत, शिक्षा के विभिन्न क्षेत्रों में बदलाव की दिशा में कई पहल की जा रही है डॉ. संदीप पाठक ने कहा कि शिक्षा का हर वर्ग हर परिवार से जुड़ाव होता है। राष्ट्रीयता से भरपूर राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 समग्र, सर्वांगीण, ज्ञान, कौशल, चरित्र विकसित करने वाली है, जो विकसित भारत की दिशा में मील का पत्थर साबित होगी। डॉ बबीता गौर ने कहा राष्ट्रीय शिक्षा नीति भारतीयता और आधुनिकता का संगम है। डॉ अमित ताम्रकार ने बताया राष्ट्रीय शिक्षा नीत्ति और भारतीय ज्ञान प्रणाली पर प्रकाश डाला श्री राजेन्द्र जैन ने कहा कि आज स्टूडेंट को क्रिएटिव एवं संवेदनशील बनाना शिक्षक का दायित्व है।

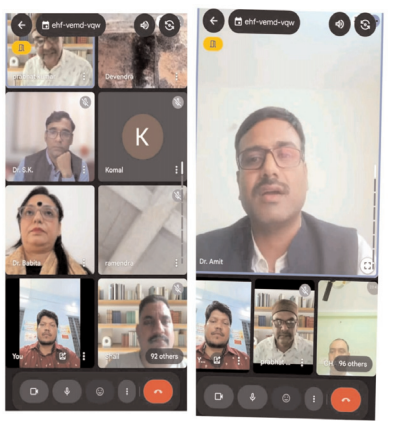

डॉ रामप्रवेश पंडित पलामू झारखण्ड को राष्ट्रभाषा गौरव सम्मान मिला

कैलाश कुमार - सह संपादक (युवा प्रदेश)

जबलपुर - प्रेरणा हिंदी प्रचारिणी सभा हिंदी के प्रचार-प्रसार में सतत प्रेरणादायक कार्य कर रहे मनीषियों को सम्मानित कर रही है और इसका मुख्य उद्देश्य हिंदी प्रचार प्रसार व राष्ट्रभाषा अभियान को गतिशील बनाए रखना है। इस तारतम्य में प्रेरणा हिंदी प्रचारिणी सभा के महासचिव प्रदीप मिश्र अजनबी दिल्ली ने डॉ रामप्रवेश पंडित पलामू झारखण्ड को प्रेरणा राष्ट्रभाषा गौरव सम्मान प्रदान किया। प्रेरणा हिंदी प्रचारिणी सभा के संस्थापक कवि संगम त्रिपाठी ने बताया कि डॉ रामप्रवेश पंडित साहित्य की धारा से जुड़े हैं। इनकी रचनाएं जनसंदेश का काम कर रही है। डॉ रामप्रवेश पंडित विभिन्न संस्थाओं से जुड़े हैं और सामाजिक सांस्कृतिक व शैक्षणिक कार्य में निरंतर प्रेरणादायक कार्य कर रहे है। डॉ रामप्रवेश पंडित पलामू झारखण्ड के स्थापित गीतकार हैं। इनकी वाणी वंदना किताब चर्चित कृति है। 14 सितंबर 2024 को इन्होंने प्रेरणा हिंदी प्रचारिणी सभा के राष्ट्रीय सम्मेलन व जंतर-मंतर में हिंदी को राष्ट्रभाषा बनाने हेतु प्रदर्शित सभा में शामिल हुए थे। डॉ रामप्रवेश पंडित जी का हिंदी प्रचार प्रसार व राष्ट्रभाषा के प्रति समर्पण भाव अवर्णनीय है। शिक्षाविद डॉ रामप्रवेश पंडित पलामू झारखण्ड हिंदी प्रचार प्रसार हेतु अमूल्य योगदान दे रहे है व विभिन्न संस्थाओं द्वारा उन्हें लगातार सम्मानित किया जा रहा है। डॉ रामप्रवेश पंडित पलामू झारखण्ड को डॉ लाल सिंह किरार, नीतिन शर्मा नीति, डॉ धनंजय पाठक, सीमा शर्मा मंजरी, प्रतिमा पाठक, मेघा अग्रवाल आदि ने बधाई दी है।

भारत के नव निर्माण में रविदासिया धर्म क्यों जरूरी है: अतर सिंह भारतीय

भारत के नव निर्माण में सभी जातियों का सर्वांगीण विकास होना अति आवश्यक है। चूंकि संपूर्ण भारत में सदियों से सत्ता धारी समुदायों ने लगातार अनुसूचित वर्ग को न केवल सामाजिक बल्कि धार्मिक रूप से भी बहिष्कृत कर रखा साथ ही सत्ता से आज भी अछूता ही है। जिससे इस यह वर्ग सांस्कृतिक, सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक और धार्मिक रूप से पिछड़ कर अत्यंत दयनीय स्थिति में पहुंच गया है।

सम्पूर्ण भारत में जितने भी धर्म और पंथ हैं, रविदासिया कौम के लोगों ने समय - समय पर अपनाया लेकिन सभी ने केवल उनके राजनीतिक लाभ के लिए तो स्वीकार कर लिया परंतु इस वर्ग को धार्मिक और सामाजिक रूप से दोयम दर्जे पर ही रखा है। इस कारण से संपूर्ण भारत में दलितों का न केवल आर्थिक बल्कि सामाजिक पिछड़ापन भी किसी से छुपा हुआ नहीं है, आज भी मौजूद है। जबकि भारत के सर्वांगीण विकास के लिए इस वर्ग की भागीदारी नितांत आवश्यक है। चूंकि शैक्षणिक पिछड़ापन भी इस वर्ग में कूट - कूट कर भरा पड़ा है। इसलिए दलितों को देश के प्रति स्वयं का सर्वांगीण विकास करना होगा। जिसके लिए इनको अपना अर्थात स्वयं का धर्म होना जरूरी है। जोकि एक मात्र रविदासिया धर्म ही है। जिसकी स्थापना 15 वीं शताब्दी में हुई है जोकि सतगुरु रविदास जी महाराज एवं अन्य कई महापुरुषों की शिक्षाओं पर आधारित है। रविदासिया धर्म का मुख्य सिद्धांत है कि सभी मनुष्य एक समान हैं। यह धर्म जाति, पंथ, और लिंग के भेदभाव को अस्वीकार करता है और सभी लोगों की समानता पर जोर देता है। रविदासिया धर्म में आध्यात्मिकता का महत्व बहुत अधिक है। यह धर्म सतगुरु की वैज्ञानिक दृष्टिकोण की भक्ति और सेवा को जीवन का मुख्य उद्देश्य मानता है। इसके अनुयायी सतगुरु के नाम पर ध्यान और भजन में विश्वास करते हैं। रविदासिया धर्म में कई पारंपरिक रीति-रिवाज और प्रथाएं हैं जो अन्य धर्मों से अलग हैं। रविदासिया धर्म में समाज सेवा का बहुत महत्व है। इसके अनुयायी गरीबों और जरूरतमंदों की मदद करने में विश्वास करते हैं। रविदासिया धर्म ने अपनी एक अलग संस्कृति और विरासत विकसित की है। इसके अनुयायी अपनी पारंपरिक वेशभूषा और रीति-रिवाजों को बनाए रखते हैं। रविदासिया धर्म सभी धर्मों की समानता और एकता में विश्वास करता है।

सामाजिक समानता- रविदासिया धर्म दलितों को सामाजिक समानता प्रदान करता है, जो कि उन्हें सदियों से वंचित रखा गया था। यह धर्म उन्हें अपने संवैधानिक अधिकारों के लिए जागरूक करता है और उन्हें समाज में बराबरी का दर्जा दिलाने के लिए प्रेरित करता है।

आध्यात्मिक उन्नति- रविदासिया धर्म दलितों को आध्यात्मिक उन्नति का मार्ग प्रदान करता है, जो उन्हें अपने जीवन को सार्थक बनाने में मदद करता है। यह धर्म उन्हें सतगुरु रविदास जी के ज्ञान की भक्ति और समाज सेवा के माध्यम से अपने जीवन को समर्पित करने के लिए प्रेरित करता है।

सामाजिक न्याय- रविदासिया धर्म दलितों को सामाजिक न्याय हेतु लड़ने के लिए प्रेरित करता है। यह धर्म उन्हें अपने अधिकारों की आवाज उठाने और समाज में व्याप्त भेदभाव के खिलाफ लड़ने के लिए प्रेरित करता है।

सांस्कृतिक विरासत- रविदासिया धर्म दलितों की सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करता है। यह धर्म उनकी पारंपरिक प्रथाओं और रीति-रिवाजों को बनाए रखने में मदद करता है। साथ ही ऐतिहासिक मजबूतियों की खोज कर भविष्य को सुदृढ़ बनाने के लिए प्रेरणा स्त्रोत है।

एकता और भाईचारा- रविदासिया धर्म दलितों को एकता और भाईचारे की भावना प्रदान करता है। यह धर्म उन्हें एक दूसरे के साथ जुड़ने और अपने समुदाय को मजबूत बनाने के लिए प्रेरित करता है। रोटी - बेटी के व्यवहार में दबदील होने की प्रेरणा देता है। रविदासिया धर्म गुरु रविदास की शिक्षाओं पर आधारित है, जो एक महान संत और समाज सुधारक थे। उनकी शिक्षाएँ दलितों को अपने अधिकारों के लिए लड़ने और समाज में बराबरी का दर्जा हासिल करने के लिए प्रेरित करती है। इस प्रकार, रविदासिया धर्म दलितों के लिए एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, जो उन्हें सामाजिक समानता, आध्यात्मिक उन्नति, सामाजिक न्याय, सांस्कृतिक विरासत, एकता और भाईचारे की भावना प्रदान करता है। जोकि भारत की मजबूती के लिए नितांत आवश्यक है।

लेखक

अतर सिंह भारतीय
प्रदेश उपाध्यक्ष, मध्य प्रदेश
अखिल भारतीय रविदासिया धर्म संगठन, भारत

डॉ श्रीदेवी एस तिरुचिरापल्ली को राष्ट्रभाषा गौरव सम्मान प्रदान किया

कैलाश कुमार - सह संपादक (युवा प्रदेश)

जबलपुर। प्रेरणा हिंदी प्रचारिणी सभा हिंदी के प्रचार-प्रसार में सतत प्रेरणादायक कार्य कर रहे कवियों कवयित्रियों व राष्ट्रभाषा प्रचारकों को सम्मानित कर रही है और इसका मुख्य उद्देश्य हिंदी प्रचार प्रसार व राष्ट्रभाषा अभियान को गतिशील बनाए रखना है। इस तारतम्य में प्रेरणा हिंदी प्रचारिणी सभा के महासचिव प्रदीप मिश्र अजनबी दिल्ली ने डॉ श्रीदेवी एस तिरुचिरापल्ली को प्रेरणा राष्ट्रभाषा गौरव सम्मान प्रदान किया। प्रेरणा हिंदी प्रचारिणी सभा के संस्थापक कवि संगम त्रिपाठी ने बताया कि डॉ श्रीदेवी एस तिरुचिरापल्ली साहित्य की धारा से जुड़ी हैं व सेंट जोसेफस कॉलेज तिरुचिरापल्ली में हिंदी विभागाध्यक्ष है। इनकी रचनाएं जनसंदेश का काम कर रही है। डॉ श्रीदेवी एस तिरुचिरापल्ली विभिन्न संस्थाओं से जुड़ी हैं और सामाजिक सांस्कृतिक व शैक्षणिक कार्य में निरंतर प्रेरणादायक कार्य कर रही है। शिक्षाविद डॉ श्रीदेवी एस तिरुचिरापल्ली हिंदी प्रचार प्रसार हेतु अमूल्य योगदान दे रही है व विभिन्न संस्थाओं द्वारा उन्हें लगातार सम्मानित किया जा रहा है। डॉ श्रीदेवी एस तिरुचिरापल्ली को डॉ लाल सिंह किरार, नीतिन शर्मा नीति, भैरु सुनार सोनिया नायडू , सीमा शर्मा मंजरी, प्रतिमा पाठक, रामगोपाल फरक्या, गोपाल जाटव विद्रोही, मेघा अग्रवाल आदि ने बधाई दी है।

माँ को उतारा मौत के घाट, 3 दिन दिनों तक शव के साथ सोता रहा, पुत्र को पुलिस ने किया गिरफ्तार

कुमार अनूप गुप्ता ब्यूरो चीफ

शहडोल। जिले के ब्यौहारी थाना क्षेत्र में एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। जहां एक पुत्र अपनी मां की निर्मम हत्या करने के बाद उसी कमरे में तीन दिनों तक शव के साथ सोता और खाता-पीता रहा। लगभग 72 घंटे गुजरने के बाद जब उस घर का दरवाजा नहीं खुला और मां बेटे में से कोई भी बाहर नहीं निकला, तब पड़ोसियों द्वारा संदेह के आधार पर पुलिस को सूचना दी गई। जब मौके पर पहुंची पुलिस ने किसी तरह घर का दरवाजा खुलवाया। और जब पुलिसकर्मी अंदर दाखिल हुए तो वहाँ का माज़रा देखकर भौचक रह गए। पुलिस ने देखा कि घर के अंदर एक महिला की लाश पड़ी हुई है और उसका पुत्र उसी कमरे में आराम से लेटा हुआ था। पुलिस के अनुसार ब्यौहारी थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम बरकछ निवासी सविता बाई कोल पति विनोद कोल (40) अपने एक जवान पुत्र राजकुमार कोल के साथ रहती थी। पुत्र की मानसिक हालत कुछ ठीक नहीं है। इस बीच बीते 4 नवंबर को मां एवं बेटे के बीच किसी बात को लेकर विवाद हुआ।

जिस पर बेटे ने किसी वजनी चीज से मां के सिर में वार कर दिया। वार इतना तेज था कि मां की कुछ ही देर में घर के अंदर मौत हो गई। मां की लाश देखकर घबराए हुए पुत्र ने अंदर से दरवाजा बंद लिया। इस तरह तीन दिनों तक वह मां की लाश के साथ उसी कमरे में मौजूद रहा। घर में जो कुछ था वही पकाता और खाता रहा। जब तीन दिनों तक घर का दरवाजा नहीं खुला और मां बेटे में से कोई बाहर नहीं निकला तब पड़ोसियों द्वारा शंका के आधार पर पुलिस को सूचना दी गई। इसके बाद मामले का खुलासा हुआ। पुलिस ने आरोपी पुत्र को हिरासत में ले लिया है।

घर के बाहर बैठी महिला व बच्ची को फोर व्हीलर ने मारी टक्कर

अनूप गुप्ता ब्यूरो चीफ अनूपपुर

अनूपपुर/ जमुना कोतमा। जिले के कोतमा जमुना कालरी गणेश चौक पर आज शाम एक अनियंत्रित फोर व्हीलर वाहन ने सड़क किनारे अपने घर के बाहर बैठी महिला और उसकी बच्ची को जोरदार टक्कर मार दी। माइनस कॉलोनी में रहे वाले दिनेश पासी के घर में बाहर उनकी बेटी काजल और पत्नी राम दुलारी जो खड़ी थी और आपस में बात कर रही थी कि अचानक बोलोरो ड्राइवर द्वारा लापरवाही पूर्वक गाड़ी चलते हुए घर के सामने खड़ी मां बेटी के ऊपर गाड़ी चढ़ा दी गई जिससे मां और बेटी गंभीर रूप से घायल हो गई । लापरवाही पूर्वक गाड़ी चलाने वाले गाड़ी चालक बृजेश प्रजापति द्वारा बोलोरो गाड़ी सीधे मां बेटी के ऊपर चढ़ा दिया ।

स्वत्वाधिकारी,मुद्रक,प्रकाशक एवं संपादक नागेश नरवरिया द्वारा जय माता प्रिंटर्स म.नं. 1 अमर दाल मिल के पास पेमदीपुरा चिकलोद रोड के पास बापू कालोनी जहांगीराबाद भोपाल मप्र से मुद्रित एवं म.नं. 51 एक्सटेंशन शिवलोक कॉलोनी फेस-3, खजूरी कलां रोड,तह. हुजूर जिला भोपाल से प्रकाशित। **संपादक :-** नागेश नरवरिया (समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र भोपाल रहेगा।)